TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

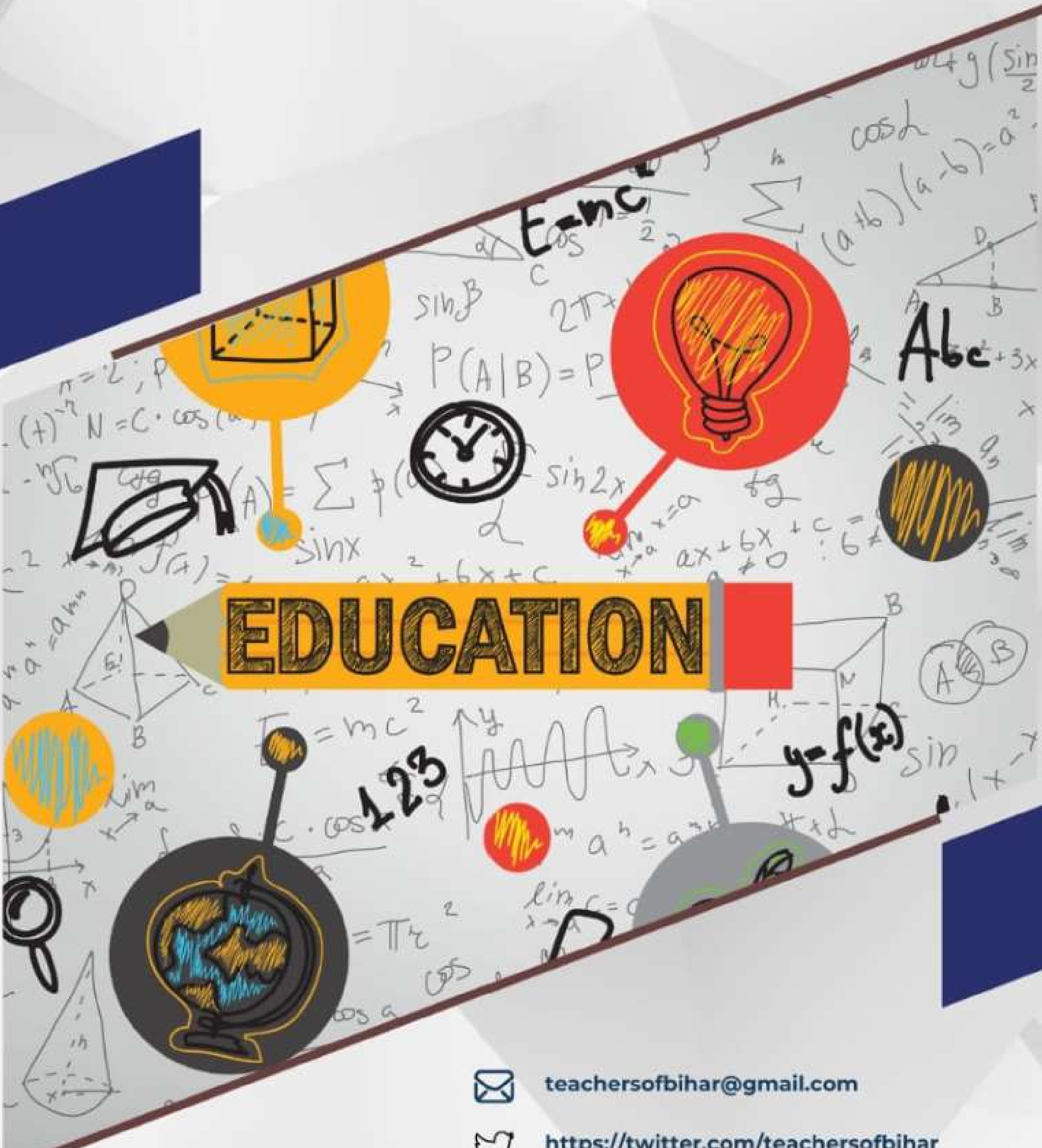

teachersofbihar@gmail.com
https://twitter.com/teachersofbihar
https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
https://www.facebook.com/teachersofbihar
https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar
www.teachersofbihar.org

2024

जयंती विशेष

31 अक्टूबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

शक्ति के अभाव में विश्वास व्यर्थ है। विश्वास और शक्ति दोनों किसी महान काम को करने के लिए आवश्यक है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल

(भारत के प्रथम गृहमंत्री)

जन्म: 31 अक्टूबर 1875 मृत्यु: 15 दिसम्बर 1950

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

31 अक्टूबर

1. **राष्ट्रीय एकता दिवस/सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती–** वल्लभ भाई झावेरभाई पटेल जो एक भारतीय राजनीतिज्ञ और अधिवक्ता थे, का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 ई. को नडियाड, गुजरात में हुआ था। उन्होंने भारत के पहले उप–प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था। उनके निर्णयों की अटलता के कारण उन्हें 'भारत का लौहपुरूष' भी कहा जाता है। 'लौहपुरूष' की उपाधि स्वयं महात्मा गांधी ने उन्हें प्रदान की थी। 1947 में भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान वे भारत के गृहमंत्री थे। वर्ष 1991 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अलावे अहमदाबाद हवाई अड्डे का नामकरण भी उनके नाम पर ही रखा गया है। 31 अक्टूबर, 2018 ई. को सरदार पटेल की 240 मीटर ऊँची प्रतिमा का अनावरण (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) गुजरात के नर्मदा जिले में किया गया है। बारदोली सत्याग्रह की सफलता के बाद वहाँ की महिलाओं ने उन्हें 'सरदार' की उपाधि प्रदान की थी। उनके जन्मदिवस को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** सरदार पटेल के जीवनी के बारे में बतायें। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बारे में बतायें?

2. **इंदिरा गाँधी की हत्या–** 31 अक्टूबर, 1984 ई. को नई दिल्ली के सफदरजंग रोड स्थित उनके आवास पर सुबह 9:29 बजे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर दो बॉडीगार्डों ने गोली चला दी थी। यह घटना अमृतसर में ऑपरेशन ब्लू स्टार के प्रतिशोध में उनके सिख अंगरक्षकों सतवंत सिंह और बेअंत सिंह ने की थी। उनपर 28 गोलियां दागी गई थी। इसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहाँ 2 बजकर 23 मिनट पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इंदिरा गांधी की समाधि स्थल दिल्ली में है जिसे 'शक्ति स्थल' के नाम से जाना जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** इंदिरा गांधी के बारे में विस्तार से बतायें। 'ए नेहरू लेटर टु हीज डॉटर' के बारे में चर्चा करें। ऑपरेशन ब्लू स्टार, देश के आपातकाल, प्रथम गैर–कांग्रेसी सरकार जैसे टॉपिक पर चर्चा करें।

3. **विश्व बचत दिवस–** आपकी कमाई हुई राशि से कुछ राशि बचाकर आप अपने भविष्य के लिए सुरक्षित रखते हैं। आपदा या जरूरत के समय यही धन आपके लिए लाभकारी साबित होता है। वैश्विक स्तर पर विश्व बचत दिवस 31 अक्टूबर को मनाई जाती है। यह दिवस मनाने की प्रथा 31 अक्टूबर, 1924 ई. को इटली से शुरू हुई थी। विश्व बचत दिचस सभी व्यक्तियों और समस्त राष्ट्रों की बचत एवं वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है।

Thursday

मधु प्रिया

राष्ट्रीय एकता दिवस वर्ष 31 अक्टूबर

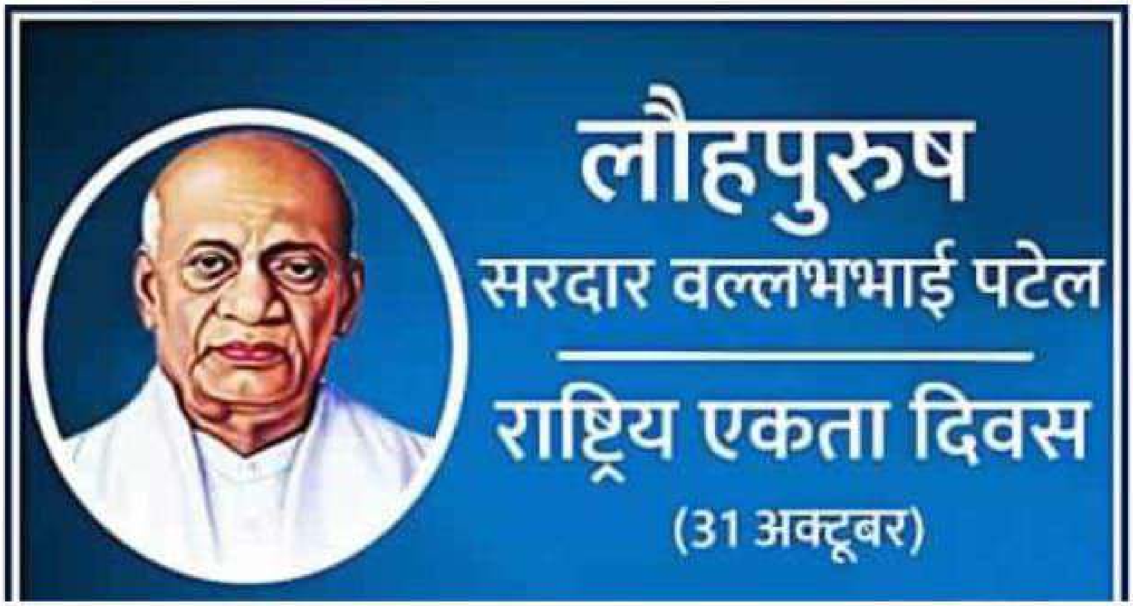

राष्ट्रीय एकता दिवस हर वर्ष 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिन भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती का प्रतीक है। भारत के गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय ऐक्य दिवस के लिए आधिकारिक कथन में कहा गया है कि राष्ट्रीय एकता दिवस "हमारे देश की , आखण्ड्य और सुरक्षा हेतु वास्तविक और सम्भावित संकटों का सामना करने हेतु हमारे राष्ट्र की अन्तर्निहित शक्ति और सहिष्णुता की फिर से पुष्टि करने का अवसर प्रदान करेगा। इस दिन सरकारी कार्यालयों में यह शपथ पढ़ी जाती है। मैं सत्यनिष्ठ शपथ लेता हूँ कि मैं देश की ऐक्य, आखण्ड्य और सुरक्षा को बनाए रखने हेतु स्वयं को समर्पित करता हूँ और इस सन्देश को अपने देशवासियों के बीच फैलाने हेतु भी अटल प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की ऐक्य भावना से लेता हूँ जो सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदृष्टि और कर्मों से सम्भव हुआ है। मैं अपने देश की आन्तरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु अपना योगदान देने का भी दृढ़ संकल्प लेता हूँ। राष्ट्रीय एकता दिवस भारत में 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसे 2014 में भारत सरकार द्वारा पेश किया गया था। राष्ट्रीय एकता का मूल मंत्र है शांति भाईचारा : सत्यप्रकाश | राष्ट्रीय एकता का मूल मंत्र है शांति भाईचारा | लौह पुरुष के नाम से प्रसिद्ध सरदार वल्लभ भाई पटेल की जंयति के रूप में राष्ट्रीय एकता दिवस हर वर्ष 31 अक्टूबर को मनाया जाता है। उन्होंने कई भारतीय रियासतो को देश में मिलाने पर महत्वपूर्ण योगदान निभाया। जिसमें हैदराबाद सहित अन्य रियासत भी शामिल हैं।

जयंती विशेष 31 अक्टूबर

राकेश कुमार

सरदार वल्लभभाई पटेल *Sardar Vallabhbhai Patel*; जन्म- 31 अक्टूबर, 1875, गुजरात; मृत्यु- 15 दिसंबर, 1950, महाराष्ट्र) प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम गृहमंत्री थे। वे 'सरदार पटेल' के उपनाम से प्रसिद्ध हैं। सरदार पटेल भारतीय बैरिस्टर और प्रसिद्ध राजनेता थे।

दिपावली विशेष

राकेश कुमार

दीपावली अथवा **दिवाली** *Deepavali* or *Diwali*) भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारम्भ होता है, वह आज के दिन पूरे चरम पर आता है। दीपावली की रात्रि को घरों तथा दुकानों पर भारी संख्या में दीपक, मोमबत्तियां और बल्ब जलाए जाते हैं। दीपावली भारत के त्योहारों में अपना विशिष्ट स्थान रखती है। इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 31.10.2024

राष्ट्रीय एकता दिवस

राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को भारत में मनाया जाता है। इस दिवस को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है, जिनकी भारत के राजनीतिक एकीकरण में प्रमुख भूमिका थी। इस दिन का आरम्भ भारत सरकार द्वारा सन् 2014 में किया गया था।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

बिहार - में गंगा, घाघरा, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, अधवारा, कमाल, कोसी, महानंदा, सोन, पुनपुन, किऊल, कर्मनाशा, हरोरर, वडूआ, तंदन और चीन नदियां बहती हैं।

स्रोत:
प्रभा साझी

TOB खेल कॉर्नर

राकेश कुमार

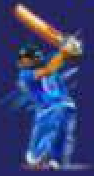

फुटबॉल

फुटबॉल

फुटबॉल एक प्रसिद्ध खेल है जिसमें दो टीमों के खिलाड़ी एक गेंद को उच्चतम संख्या में विरोधी टीम की गोल के बाएं या दाएं ओर ले जाने का प्रयास करते हैं।

फुटबॉल का इतिहास

1863 में, इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन (ईएफए) ने इस खेल के नियमों को मान्यता दी, जिसने आधुनिक फुटबॉल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फुटबॉल के नियम

गोलकीपर: हर टीम के पास एक गोलकीपर होता है जो गोल की रक्षा करता है।
गोल: गोलकीपर के पास हर टीम के खेलकों को बॉल को गोल में डालने के लिए कोशिश करनी होती है।
खेल का समय: फुटबॉल मैचों का समय आमतौर पर दो अधिमान होता है, प्रत्येक अधिमान के बाद आमतौर पर 15 मिनट का विश्राम होता है।
ऑफसाइड: यह नियम यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ी गेंद को उच्चतम संख्या में ले जाने के लिए नायर्मल खेल में आगे नहीं बढ़ते हैं।
फाउल: यदि किसी खिलाड़ी को बॉल को हाथ से स्पष्ट रूप से छेड़ने, गिराने, या उसके खिलाफ अवैध गतिविधियों का पालन किया जाता है, तो वह फाउल के लिए दंडित हो सकता है।
कार्ड्स: पीला कार्ड (चेतावनी) और लाल कार्ड (बाहर किया जाने की सजा)।

ओलंपिक में फुटबॉल

फुटबॉल पहली बार 1900 में पेरिस ओलंपिक खेलों में ओलंपिक प्रोग्राम में शामिल हुआ था। महिलाओं के लिए 1996 में शामिल किया गया था।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं।
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

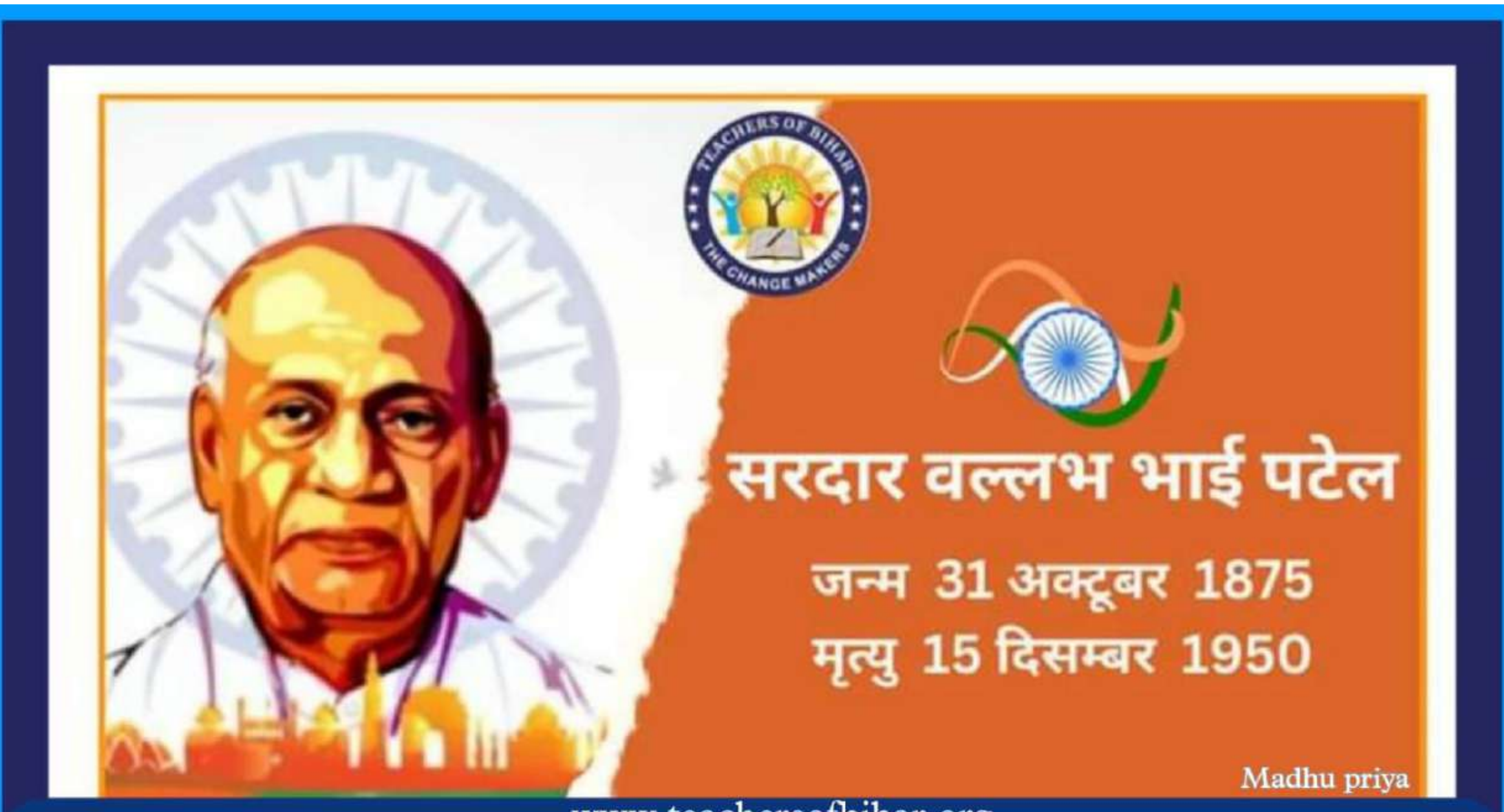
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
सरदार वल्लभ भाई पटेल
जन्म 31 अक्टूबर 1875
मृत्यु 15 दिसम्बर 1950
Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
पुण्यतिथि पर नमन
इन्दिरा गाँधी
19 नवंबर 1917 - 31 अक्टूबर 1984
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

31 अक्टूबर

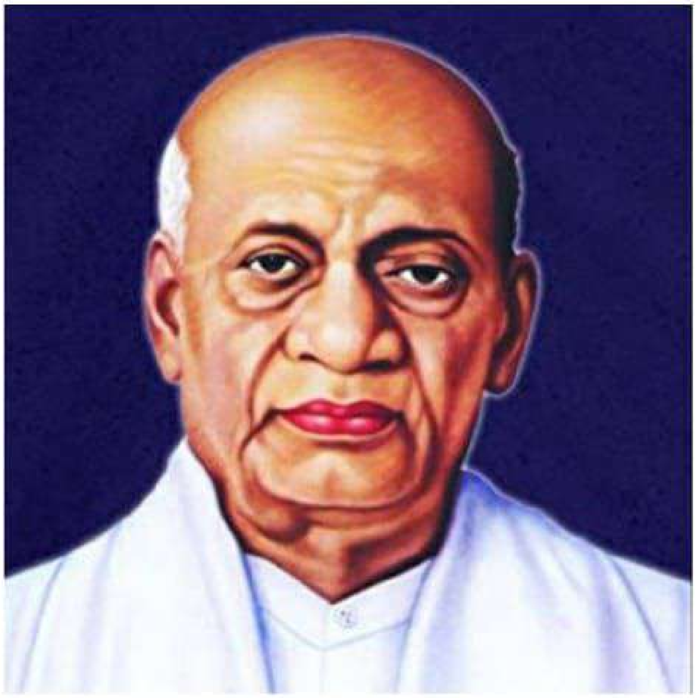

लौह पुरुष

सरदार वल्लभ भाई पटेल

की जयंती पर सादर नमन

31 अक्टूबर 1875 - 15 दिसंबर 1950

www.teachersofbihar.org

Punita Kumari

दीपावली

31 अक्टूबर

दीवाली का त्यौहार आया,
साथ में खुशियों की बहार लाया।

दीपों की सजी है कतार,
जगमगा रहा है सारा संसार।

अंधकार पर प्रकाश की विजय लाया,
दीवाली का त्यौहार आया,

भाईचारे का संदेश लाया,
सुख समृद्धि अपार लाया।

बाजारों में रौनक लाया,
दीवाली का त्यौहार आया,

सबके जीवन में खुशियां लाया,
दीवाली का त्यौहार आया,

पुनीता कुमारी
रा० म० वि० नेउरी
बरौली (गोपालगंज)